

21वीं पशुधन जनगणना

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

हाल ही में पशुपालन एवं डेयरी विभाग (Department of Animal Husbandry & Dairying- DAHD) ने सितंबर से दिसंबर 2024 तक होने वाली आगामी 21वीं [पशुधन जनगणना](#) के लिये एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- इसका उद्देश्य जनगणना के दौरान कुशल डेटा संग्रह के लिये राज्य और केंद्रशासित प्रदेश के अधिकारियों को मोबाइल ऐप और सॉफ्टवेयर सहित आवश्यक उपकरणों से लैस करना था।
- अधिकारियों को डेटा संकलन रणनीतियों पर प्रशिक्षित किया गया तथा पशुधन की विभिन्न पंजीकृत नस्लों से परिचित कराया गया।
- वर्ष 1919 से हर 5 साल में पूरे देश में पशुधन जनगणना आयोजित की जाती रही है।
 - वर्ष 2019 में आयोजित 20वीं जनगणना के अनुसार, भारत में कुल पशुधन आबादी 535.78 मिलियन है।
 - कुल गोजातीय जनसंख्या (मवेशी, भैंस, मथुन और याक) 302.79 मिलियन थी।
- पशुधन के विकास हेतु वर्ष 2014-15 में शुरू की गई [राष्ट्रीय पशुधन मिशन](#) (National Livestock Mission- NLM) योजना में 3 उप-मिशन शामिल हैं - पशुधन और मुरगी पालन के लिये नस्ल विकास, चारा तथा आहार विकास एवं नवाचार व वसितार।

और पढ़ें: [भारत का पशुधन क्षेत्र](#), [20वीं पशुधन जनगणना](#), [विशेष पशुधन क्षेत्र पैकेज](#)